AYJNISHD(D)

गणतंत्र दिवस संदेश
26 जनवरी, 2026

डॉ. सुमन कुमार, निदेशक
अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.सं., मुंबई

प्रिय अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं देशवासियों,

भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के पावन एवं गौरवपूर्ण अवसर पर मैं आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई देता हूँ। 26 जनवरी का यह दिन हमारे राष्ट्र के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है, क्योंकि इसी दिन वर्ष 1950 में भारत का संविधान लागू हुआ और हमारा देश एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष एवं लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित हुआ। यह दिवस हमें हमारे संवैधानिक मूल्यों, अधिकारों और कर्तव्यों की निरंतर स्मृति कराता है।

हमारा संविधान न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुत्व जैसे मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित है, जो न केवल हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव हैं, बल्कि एक समावेशी और मानवीय समाज के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त करते हैं। डॉ. भीमराव आंबेडकर के नेतृत्व में संविधान सभा द्वारा निर्मित यह महान दस्तावेज देश की विविधता, सामाजिक न्याय और समान अवसर की भावना को सुदृढ़ करता है। आज का भारत इन्हीं मूल्यों के आधार पर आगे बढ़ रहा है।

गणतंत्र दिवस का यह अवसर हमें स्वतंत्रता संग्राम के उन वीर सेनानियों को स्मरण करने और नमन करने का भी अवसर देता है, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता और गरिमा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनके बलिदान के कारण ही हम आज स्वतंत्र वातावरण में कार्य कर पा रहे हैं और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में अपनी भूमिका निभा पा रहे हैं।

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक राष्ट्रीय स्तर का अग्रणी संस्थान है, जो वाक्, श्रवण एवं संबंधित दिव्यांगताओं के क्षेत्र में शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान, सेवा एवं पुनर्वास के लिए समर्पित है। हमारा संस्थान संविधान में निहित सामाजिक न्याय, समानता और गरिमा के मूल्यों को व्यवहार में उतारने का कार्य करता है। दिव्यांगजन को सशक्त बनाना, उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना और उनके लिए समान अवसर सुनिश्चित करना हमारे संस्थान का मूल उद्देश्य है।

यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि संस्थान के अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक, चिकित्सक, शोधकर्ता और विद्यार्थीगण पूर्ण निष्ठा, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। आपके सतत प्रयासों से संस्थान ने शिक्षा, नैदानिक सेवाओं, सामुदायिक पहुंच, डिजिटल नवाचार और अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। दिव्यांगजनों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने की दिशा में आपके योगदान सराहनीय हैं।

77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर यह और भी आवश्यक हो जाता है कि हम संविधान के आदर्शों को अपने कार्य-संस्कृति में और अधिक दृढ़ता से अपनाएं। पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, समर्पण, करुणा और सेवा-भावना—ये मूल्य हमारे प्रत्येक निर्णय और कार्य में परिलक्षित होने चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी सेवाएं देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचें और "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" की भावना को साकार करें।

आज का भारत आत्मनिर्भरता, नवाचार और समावेशी विकास की दिशा में तेज़ी से अग्रसर है। इस राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति में दिव्यांगजनों की भागीदारी सुनिश्चित करना हमारा सामूहिक दायित्व है। शिक्षा, कौशल विकास और पुनर्वास के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बनाना ही सच्चे अर्थों में राष्ट्र निर्माण है।

अंत में, इस राष्ट्रीय पर्व के शुभ अवसर पर मैं एक बार फिर आप सभी को 77वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। आइए, हम सब मिलकर संविधान के मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करें तथा एक समावेशी, सशक्त और संवेदनशील भारत के निर्माण हेतु निरंतर कार्य करते रहें।

जय हिंद!

आपका शुभेच्छु,

निदेशक